

India's Number 1 Education App

MATHS

BOOKS - SHREE BALAJI MATHS (HINDI)

द्विआधारी संक्रियाएँ

उदाहरण

1. अऋण (Non - negative) संख्याओं के समुच्चय W पर संक्रियां * निम्न प्रकार परिभाषित है a $*b = a^{(b)}$ ` सिद्ध कीजिए की * समुच्चय W पर द्विआधारी संक्रिया नहीं है|



2. परिमेय संख्याओं के समुच्चय Q पर सक्रिय * निम्न प्रकार परिभाषित है a*b=1+ab

सिद्ध कीजिए *,समुच्चय Q पर एक द्विआधारी संक्रियां है|



3. दर्शाइए की समुच्चय R पर संक्रियां \vee व \wedge जो निम्न प्रकार पिरभाषित है $\mid a \vee b = a$ का $\mid a \vee b = a$ का $\mid a \wedge b = a$ व् $\mid a \vee b = a$ का $\mid a \wedge b = a$ व् $\mid a \wedge b = a$ व्याप्त संक्रियाएँ है।



4. समुच्चय Q पर द्विआधारी संक्रियाँ * जो निम्न प्रकार परिभाषित है $a*b=a-b+ab \ \forall a,b\in Q$ की क्रम विनिमेयता व् साहचर्यता की जाचं कीजिए|



5. परिमेय संख्याओं के समुच्चय * के लिए तत्स्मक अवयव ज्ञात कीजिए तथा सिद्ध कीजिए की Q का प्रत्येक अशून्य अवयव व्युत्क्रमानिये हैं|



6. यदि द्विआधारी संक्रिया * समुच्चय R पर $a*b=\frac{3ab}{7}$ द्वारा परिभाषित है,तो समुच्चय R में संक्रिया * के लिए तत्समक अवयव ज्ञात कीजिए|



7. माना A कोई समुच्चय है जिसमें एक से अधिक अवयव है,समुच्चय A में द्विआधरि संक्रिया * निम्न प्रकार परिभाषित है|

$$a*b=a,\ orall a,b,\ \in A$$

सिद्ध कीजिए * समुच्चय A में साहचर्य है, परन्तु क्रमविनिमय नहीं है|



8. माना $A = \phi$ कोई समुच्चय है तथा S समुच्चय A के A में सभी फलनों का समुच्चय है|सिद्ध कीजिए की फलनों का संयोजन o समुच्चय S पर साहचर्य है|



9. प्राकृत संख्याओं के समुच्चय N में एक द्विआधारी संक्रिया * निम्न प्रकार परिभाषित है|

$$a*b=HCF(a,b), a,b\in N$$

सिद्ध कीजिए की * समुच्चय N में साहचर्य तथा क्रमविनिय है|



10. माना समुच्चय A = N imes N में एक द्विआधारी संक्रिया निम्न प्रकार परिभाषित है|

$$(a,b)*(c,d)=(ad+bc,bd)\,orall (a,b),(c,d)\in N imes N$$

सिद्ध कीजिए की संक्रिया * समुच्चय A में साहचर्य व क्रमविनिय है|



11. माना $X=\phi$ एक समुच्चय है तथा घात समुच्चय P (X) में *

 $A*B=A\cap B,\ orall A,B\in P(X)$ तब P (X) में संक्रिया

* के सापेक्ष तत्समक अवयव ज्ञात कीजिए

एक द्विआधारी संक्रिया निम्न प्रकार परिभाषित है



12. द्विआधारी संक्रियाओं *:R imes
ightarrow R तथा

 $o\colon R imes R o R$ निम्न प्रकार परिभाषित है

a*b=[a-b| तथा $aob=a\,orall a,b\in R$ सिद्ध कीजिए

की $a*(boc)=(a*b)o(a*c)\, orall a,b,c\in R$



13. माना $X = \phi$ एक समुच्चय है तथा * , समुच्चय P(X) में द्विआधारी संक्रिया निम्न प्रकार परिभाषित है

 $A*B = (A-B) \cup (B-A) \, orall A, B \in P(X)$

सिद्ध कीजिए की * के लिए समुच्चय P(X) में ϕ तत्समक अवयव है तथा सभी $A \in P(X)$ के लिए A व्युत्क्रमणीये है तथा A का प्रतिलोम स्वयं A ही है|

14. यदि A=Q imes Q तथा समुच्चय N में द्विआधिर संक्रिया *

निम्न प्रकार परिभाषित है-

$$(a,b)*(c,d)=(ac,ad+b)$$

तब $(A,\ *)$ के तत्समक अवयव व प्रतिलोम तत्वों को ज्ञात कीजिए|



1. सिद्ध कीजिए की R में योग,अंतर् और गुणा द्विआधारी संक्रियाँ है किन्तु भाग (division) R में द्विआधारी संक्रियाँ नहीं है|



- 2. सिद्ध कीजिए की भाग (division) ऋणोतर (Non negative
-) वास्तविक संख्याओं के समुच्चय R में द्विआधारी संक्रिया है|



3. सिद्ध कीजिए की अंतर् (diffrence) तथा भाग (division) प्रकृत संख्यायों के समुच्य N में द्विआधारी संक्रिया नहीं है|

4. माना P किसी दिए हुए समुच्चय X के समस्त उपसमुच्चय का

 $\cup:P imes P o P,$ $(A,B) o A\cup B$ द्वारा परिभिषत तथा

$$\cap: P imes P o P, (A,B) o A \cap B$$
 द्वारा परिभाषित

फलन है P में द्विआधारी संक्रियाँ है|



5. सिद्ध कीजिए की a*b=a+2b द्वारा परिभाषित

$$st R imes R o R$$
 क्रमविनिय नहीं है|

6. सिद्ध कीजिए की R में शून्य {0 } योग का तत्समक है तथा 1 गुणा का तत्समक अवयव है परन्तु संक्रियाँ R imes R o R तथा $\div: R imes R o R$ के लिए कोई तत्समक नहीं है|



7. सिद्ध कीजिए की R में धन संक्रियाँ (+) के लिए -a का प्रतिलोम a तथा R में गुणा संक्रियाँ (\times) के लिए $a \neq 0$ का प्रतिलोम $\dfrac{1}{a}$ है|



8. माना समुच्चय $\{1,2,3,4,5\}$ में एक संक्रियाँ *a*b=a तथा b के LCM द्वारा परिभाषित है|सिद्ध कीजिए की यह एक द्विआधारी संक्रियाँ नहीं है|



- 9. यदि * वास्तविक संख्याओं के समुच्चय R पर कोई द्विआधारी संक्रियाँ निम्न प्रकार है $a*b=\sqrt{a^2+b^2}\, \forall a,b,\in R$ तो सिद्ध कीजिए की * क्रमविनिमेय है|
 - वीडियो उत्तर देखें

10. दर्शाइए की A=N imes Nऔर A में

$$(a,b)*(c,d)=(ac,bd)\,orall a,b,c,d\in N$$
 द्वारा

परिभाषित एक द्विआधारी संक्रियाँ है|पुनः दिखाइए की * कर्मविनिमेय तथा साहचर्य है|



11. यदि * प्राकृतिक संख्याओं के समुच्चय N पर द्विआधारी संक्रियाँ है, जोकि इस प्रकार परिभाषित है $a*b=a^b \ orall a,b\in N$ सिद्ध कीजिए की * N पर न तो साहचर्य है और न ही कर्मविनिमय है।



12. धन परिमेय के समुच्चय Q^+ में द्विआधारी संक्रियाँ * जोकि $a*b=rac{ab}{2}\ orall a,\,b\in Q^+$ द्वारा परिभाषित है ,के लिए सिद्ध कीजिए की तत्समक अवयव 2 होगा।



13. यदि $A=N\times N$ तथा A में (a,b)*(c,d)=(a+c,b+d) द्वारा परिभाषित एक द्विआधारी संक्रियाँ है, तो सिद्ध कीजिए की * कर्मविनिमेय तथा साहचर्य है|



1. नियम
$$a * b = b * a$$
 कहलाता है-

- A. संवरक नियम
- B. साहचर्य नियम
- C. कर्मविनिमेय नियम
- D. इनमें से कोई नहीं

Answer: C



वीडियो उत्तर देखें

2. (a*b)*c = a*(b*c) कहलाता है-

A. संवरक नियम

B. साहचर्य नियम

C. कर्मविनिमेय नियम

D. इनमें से कोई नहीं

Answer: B



वीडियो उत्तर देखें

3. यदि e*a=a*e=a तब e कहलाता है -

A. तत्समक अवयव

B. प्रतिलोम अवयव

C. (a) व (b) दोनों

D. इनमें से कोई नहीं

Answer: A



4. यदि $a*b=a^2+b^2$ तब (1*2)*5

A. 500

B. 50

C. 125

D. 150

Answer: B



वीडियो उत्तर देखें

5. पूर्णांकों का घटना एक संक्रियाँ है जो है_

A. साहचर्य नियम

B. कर्मविनिमेय नियम

C. न साहचर्य न क्रमविनिमेय

D. इनमें से कोई नहीं

Answer: C



6. वास्तविक संख्याओं के समुच्चय R में यदि a*b=ab+1 तब संक्रियाँ * है -

A. कर्मविनिमेय

B. सहचर्य नहीं

C. (a) व (b) दोनों

D. इनमें से कोई नहीं

Answer: C

7. समुच्चय $ig\{(x,y)\!:\!2x^2+3y^2=25,x,y,\ \in Zig\}$ में

A. 8

अवयवों की संख्या-

 $\mathsf{B.}\,2$

 $\mathsf{C.}\,4$

D. 18

Answer: A



8. यदि
$$\{x,y\}$$
 : $2x^2+3y^2=25, x,y\in Z\}$ तथा

$$x st 3 = 7$$
 तब $x^{-1} =$

- A.2
- B.-2
- $\mathsf{C.}\,4$
- D. इनमें से कोई नहीं

Answer: B



1. सिद्ध कीजिए की a*b=a+2b द्वारा प्रदर्शित

 $\cdot: R imes R o R$ क्रमविनिमेय नहीं है|



2. सिद्ध कीजिए की $*R\colon imes R o R, (a,b) o a + 4b^2$

द्वारा प्रदत्त एक द्विआधारी द्विआधारी संक्रियाँ है|



3. सिद्ध कीजिए की R में शून्य योग का तत्समक तथा 1 गुणा का तत्समक है|

4. समुच्चय $\{1,2,3,4,5\}$ में अब a*b = निम्नतम $\{a,b\}$ द्वारा परिभाषित द्विआधारी संक्रियाँ की तालिका बनायें



5. निर्धारित कीजिए कीजिए की समुच्चय R में प्रदत निम्नलिखित द्विआधारी संक्रियाओं में से कौन-सी साहचर्य है वे कौन-सी कर्मविनिमेय है?

$$a*b=1\,orall a,b\in R \qquad (ii)a*b=rac{a+b}{2}\,orall a,b\in R$$



6. निम्नलिखित प्रकार से समुच्चय $\{0, 1, 2, 3, 4, 5\}$ में एक दिआधारी संक्रियाँ परिभाषित कीजिए -

$$a*b=\left\{egin{array}{ll} a+b&a+b<6\ a+b-6&a+b\geq6 \end{array}
ight.$$

सिद्ध कीजिए की शून्य (0) इस संक्रिया का तत्समक अवयव है तथा 6-a, अवयव का प्रतिलोम है|



7. पूर्णांकों के समुच्चय Z में एक द्विआधारी संक्रियाँ a*b=a+b+1 है सिद्ध कीजिए यह साहचर्य नियम का पालन करती है|



8. माना $X \neq \phi$ एक समुच्चय है तथा घात समुच्चय P (X) में * एक द्विआधारी संक्रियाँ निम्न प्रकार परिभाषित है

$$A*B = A \cup B \, \forall A, B \in P(X)$$

सिंद कीजिए की P (X) में संक्रियाँ * क्रमविनिमेय तथा साहचर्य नियम का पालन करती है|



9. सिद्ध कीजिए की { 1,2 } में द्विआधारी संक्रियाओं की संख्याओं की संख्याओं की संख्याओं की संख्याओं की संख्या जिनमें से 1 तत्समक अवयव तथा 2,2 का प्रतिलोम है एक ही है



10. यदि * समुच्चय A में क्रमविनिमेय द्विआधारी संक्रियाँ है तो सिद्ध कीजिए की

$$a*(b*c)=(c*b)*a\,orall a,b,c\in A$$



11. यदि $a*b=4a^2+6b^2$ समुच्चय Q में द्विआधारी संक्रियाँ है तो सिद्ध कीजीय की * क्रमविनिमेय नहीं है|

